



# AUSHADH DAANAM

Ayurvedic Evam Prakratik  
Chikitsa Kendra

As part of our welfare efforts, Aushadh Daanam works independently in providing medical care through Ayurveda & Naturopathy at our Sunpura, Noida (Uttar Pradesh), BHARAT at our several centre.



# पंचकर्म यौगिक षट्कर्म चिकित्सा

FOR RESERVATION AND  
INFORMATION:

- +91- 9871122601
- aushadhdaanamkendra@gmail.com
- Sunpura, Greater Noida West, G.B. Nagar, U.P. BHARAT
- Shahada, Maharashtra, BHARAT



औषध दानम्  
आयुर्वेदिक एवं प्राकृतिक  
चिकित्सा केंद्र









# साध्य-असाध्य रोगों का प्राकृतिक उपचार



सर्वाइकल (Cervical)



साइटिका (Sciatica)



कमर दर्द (Back Pain)



पीलिया (Jaundice)



घुटनों का दर्द (Knee Pain)



माइग्रेन (Migraine)



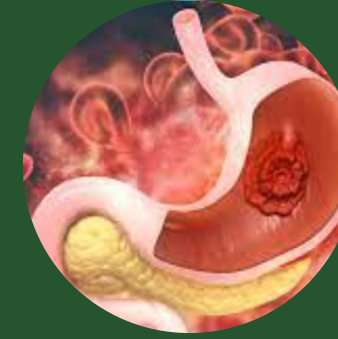
किडनी रोग (Kidney disease)



कब्ज (Constipation)



डायबिटीज (Diabetes)



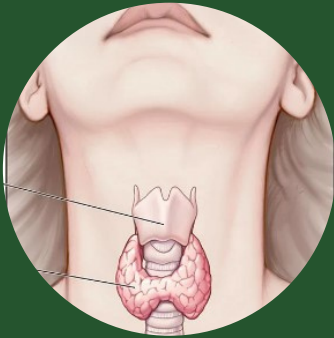
पेट रोग (Stomach Disease)



ब्लड प्रेशर (Blood pressure)



मोटापा (Over weight)



थाइरोइड (Thyroid)



जुकाम-खांसी (Cough cold)



बवासीर (Piles)



दमा (अस्थमा) Asthma



त्वचा रोग (Skin disease)



गैस (Acidity)



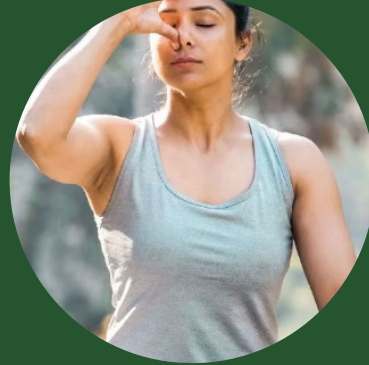
# योगासन द्वारा चिकित्सा

शुल्क-निःशुल्क

समय-एक घंटा



पदमासन (Padmasana)



अनुलोम-विलोम (Anulom-Vilom)



गोमुखासन (Gomukhasana)



वज्रासन (Vajrasana)



शशांकासन (Shashankasana)



ताड़ासन (Tadasana )



त्रिकोणासन (Trikonasana)



वृक्षासन (Tree pose).



नटराजासन  
(Natarajasana)



उत्तानपादासन  
(Uttanpadasana)



भुजंगासन (Bhujangasana)



धनुरासन (Dhanurasana)



मकरासन  
(Makarasana)



सेतुबंधासन (Setubandhasana)



सर्वांगासन (Sarvangasana)



# आहार चिकित्सा एवं जीवन शैली परिवर्तन

## (Life style and Food Therapy)



### क्या न करें-क्या न खाएं

- मांस, अंडा, मछली, शहद न खाएं।
- शराब, सिगरेट, पान मसाला, गुटखा, तम्बाकू का सेवन ना करें।
- दूध तथा दूध से बने पदार्थ जैसे चाय, कॉफी, खोया, पनीर, मिठाई, मक्खन, केक, पेस्ट्री आदि का सेवन ना करें।
- रिफाइंड तेल से बने तले भुने बाहर के खाद्य पदार्थ न खाएं।
- सफ़ेद चीनी प्रयुक्त खाद्य पदार्थ न खाएं (गुड़, गन्ने का जूस, पाम का गुड़, देशी खांड जैविक खजूर, नारियल का गुड़ प्रयोग कर सकते हैं।)
- समुद्री नमक न खाएं, सेंधा नमक (रॉक साल्ट) का प्रयोग करें।
- रात्रि में भोजन न करें। (यदि अति आवश्यक हो तो पानी, फल ले सकते हैं)।
- चाँदी के वर्क लगी मिठाई इत्यादि न खाएं।

### क्या करें-क्या खाएं

- योग, आसन, प्राणायाम एवं ध्यान प्रतिदिन करें।
- मोबाईल का प्रयोग कम से कम करें तथा टी.वी. कम देखें।
- नींद पूरी लें। (कम से कम 6 घंटे रात्रि में)
- यूरिया, पेस्टिसाइड, जी.एम.ओ. से बने फल सब्जी, अनाज इत्यादि के स्थान पर यथा संभव जैविक (ऑर्गेनिक) पदार्थों का ही प्रयोग करें
- मानसिक तनाव से बचें।
- नजदीक स्थान पर जाने के लिए वाहन के स्थान पर साईकिल का प्रयोग करें अथवा पैदल चलें।





## आयुर्वेदिक एवं प्राकृतिक चिकित्सा

वस्तिक्रिया (एनिमा )

पोटली मसाज

जल नेती

सूत्र नेती

कुंजल क्रिया

नाभि वस्ती

सम्पूर्ण चादर लपेट

गर्म पादप स्नान

भाप स्नान (स्टीम बाथ)

कटी स्नान

जानू वस्ति (घुटना दर्द )

शिरोधारा

सर दर्द मसाज

मिट्टीचिकित्सा (मडथेरेपी)

## समयावधि

30मिनट

30मिनट

30मिनट

30मिनट

30मिनट

30मिनट

30मिनट

30मिनट

30मिनट

30मिनट

30मिनट

30मिनट

30मिनट

30मिनट

## शुल्क

500रुपये

500रुपये

500 रुपये

500रुपये

500 रुपये

300 रुपये

500 रुपये

300 रुपये

500 रुपये

300 रुपये

1500रुपये

1500रुपये

500रुपये

300रूपए



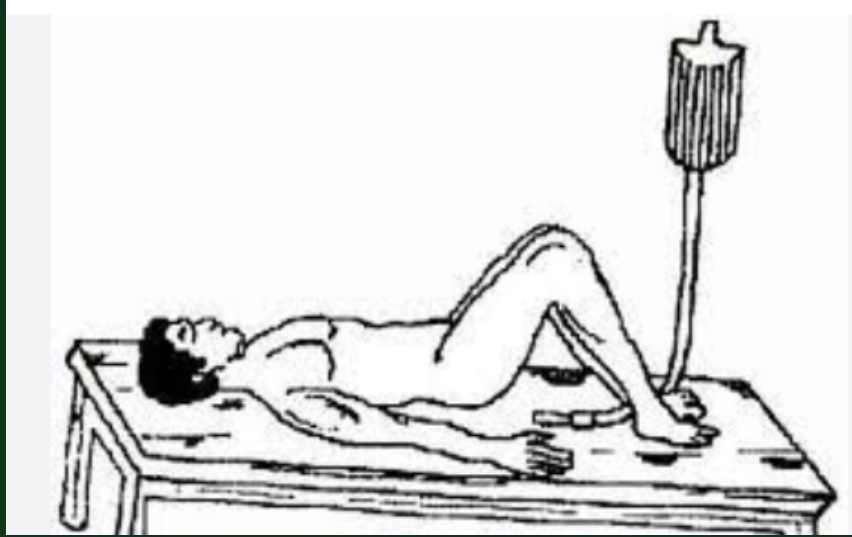




## OUR SERVICE

### वस्तिक्रिया (एनिमा)

बस्ती क्रिया एक प्राचीन आयुर्वेदिक तकनीक है, जिसमें गुदा के माध्यम से उष्ण पानी या आयुर्वेदिक तेल अंतर्गत औषधि या द्रव्य का उपयोग करके शरीर की विभिन्न रोगों से छुटकारा प्राप्त किया जाता है। यह आन्त्र रोगों और विषाक्तता के उपचार में अहम रूप से उपयोगी है।



समयावधि:

⌚ 30 मिनट

शुल्क

500 रुपये

*Self-care is not selfish  
and The Best Gift to Yourself  
is A Little Attention and Love*

Spa and Massage are not a luxury. They surprisingly have had positive effects on every medical condition we've looked at. Indeed, they bring about healthier and happier lives.

We help you to ease your muscles, recharge your body's essential energies, and calm your mind.



### पोटली मसाज

एक प्राचीन और प्रभावशाली आयुर्वेदिक चिकित्सा विधि। इसमें खास चम्मचों में भरी हुई जड़ी बूटियों और ताजे पौधों की पोटलियां इस्तेमाल की जाती हैं। इस चिकित्सा विधि से शरीर के दर्द और स्नायु के रोग दूर होते हैं, और शरीर को नई ऊर्जा मिलती है।



समयावधि:

⌚ 30 मिनट

शुल्क

500 रुपये





## जल नेती

जल नेती, सदियों पुरानी आयुर्वेदिक विधि है, जिसमें सलाइन पानी से नाक की नालियाँ धोने का काम किया जाता है, जिससे बलगम और कचरा बाहर कर साइनस की सेहत सुधारती है और सांस लेने में आसानी होती है। जल नेती एलर्जी और जमावड़ को दूर करने में मदद करती है, जिससे व्यक्ति को ताजगी का अनुभव होता है और श्वासांतरित्व में सुधार होता है।



समयावधि:

⌚ 30 मिनट

शुल्क

500 रुपये

## सूत्र नेती

सूत्र नेती एक प्राचीन योगिक तकनीक है, जिसमें रस्सी द्वारा नाक की सभी गंदगी साफ की जाती है। यह विशेष रूप से श्वासनली और मस्तिष्क के लिए लाभदायक है, साथ ही मानसिक चिंताओं को भी कम करता है। ध्यान में एकाग्रता को बढ़ाने का भी यह प्रभावी तरीका है।



समयावधि:

⌚ 30 मिनट

शुल्क

500 रुपये



## कुंजल क्रिया

कुंजल क्रिया एक आयुर्वेदिक तकनीक है, जिसमें गर्म पानी पीने के बाद उसे उल्टा करके पेट से गंदगी साफ की जाती है। यह पाचन तंत्र को स्वच्छ रखता है, आमाशय विषाक्तता दूर करता है और शरीरिक स्वास्थ्य को सुधारता है।



समयावधि:

⌚ 30 मिनट

शुल्क

500 रुपये





## सर्दरुद मसलज

सरुदरुद मसलज ँक आरुवरुदलक वलधल है, ललसमें मलनसलक दलवल, तनलव, अनलद्रल और अनलरुमलत आहलर के कलरण सलरुदरुद हुतल है। यह रुरुग वलशुरुष रुरुप से आधुनलक ललवनशुरुली के लुरुगुुुं में आम हु गलल है। समय पर आरुवरुदलक उडलरल ललभडुरद सलबलत हुतल है।



समलललवधल:

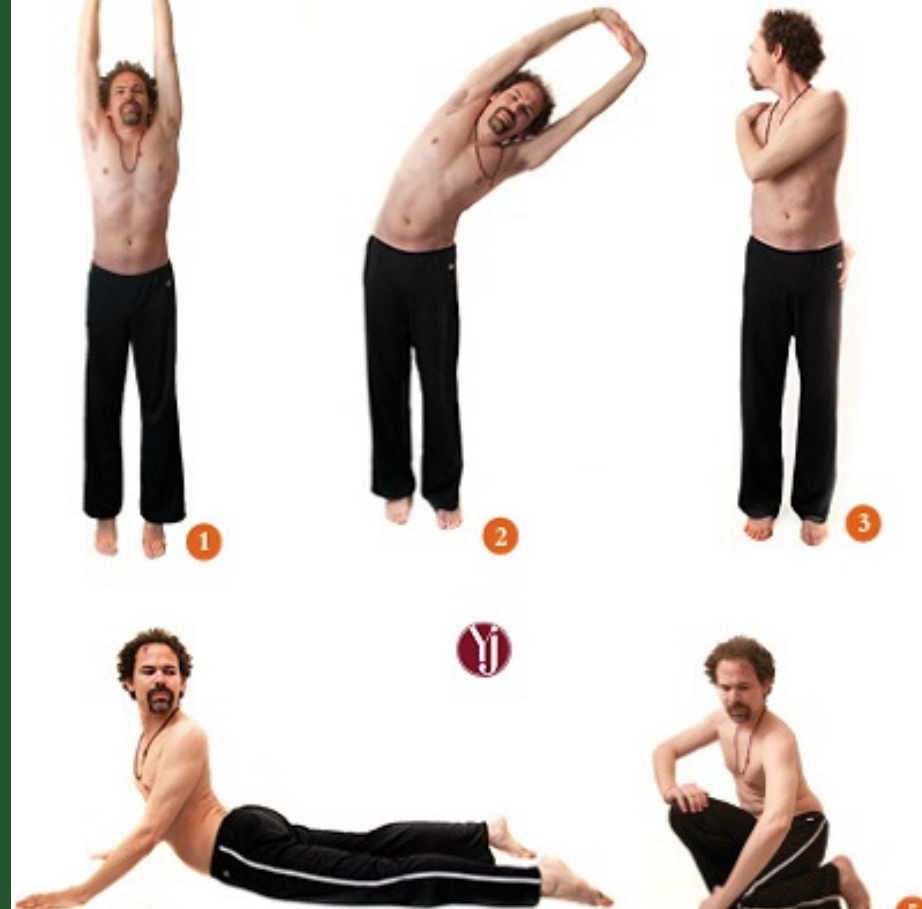
⌚ 30 मलनट

शुलुक

500 रुरुडल

## शंख डुरकुशलन

डुरकुशलन कल अरुथ हुतल है धुनल यल सडुलई कलरनल। अरुथलत वह कुरलल ललसमें आंतुुुं की सडुलई की ललतुी है अथवल धुलल ललतल है शंख डुरकुशलन कुरलल कहललतुी हैं। शंख डुरकुशलन कु वलरलसर कुरलल लुी कहल ललतल है। इसके अभुलस से शरीर वलषुैले डुदलरुथुुुं कीटलणुओुु आदल से मुकुत हु ललतल है।



समलललवधल:

⌚ 30 मलनट

शुलुक

500 रुरुडल



## मलटुीकलकुलसल (मडथेरुपी)

डुरलकुतलक रुरुप से कलकुलसल कलरने कल अबुदुत तरुीकल। मलटुी के गुणुुुं से डुरलडूर, यह कलकुलसल शरीर कु शुदुध कलरतुी है और रुरुगुुुं से नलललत दलललतुी है। मलटुी के डुरलकुतलक तलुव तलुवल कु सुवलथ डुनलकर आतुमल कु तललकुी देते हैं। यह आरुवरुदलक तरुीकल शलंतल और सुख कल सुरुत है।



समलललवधल:

⌚ 30 मलनट

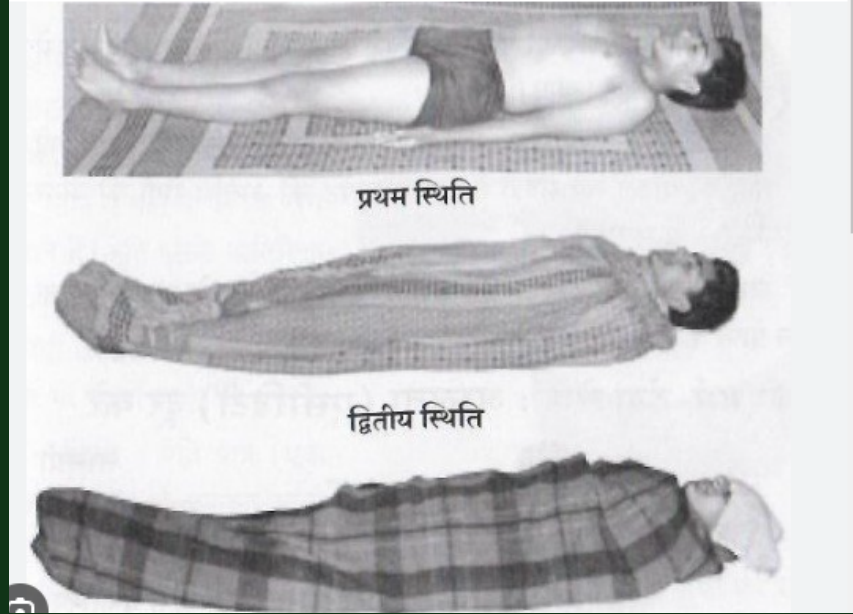
शुलुक

300 रुरुडल



## संपूर्ण चादर लपेट

इसमें गर्म व ठण्डे पानी में भिगोई गई साधारण चादर को पूरे शरीर पर लपेटकर इस्तेमाल किया जाता है। यह चिकित्सा विधि शरीर के दर्द को कम करती है, तनाव को दूर करती है और सामान्य स्वास्थ्य को सुधारती है।



समयावधि:

⌚ 30 मिनट

शुल्क

500 रुपये

## शिरोधारा

एक आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रक्रिया, जिसमें गरम तेल या तक्रिया सिर पर धारा बहाई जाती है। इस चिकित्सा विधि से मस्तिष्क शांत होता है, तनाव कम होता है, नींद मधुर आती है और मानसिक चिंताएं दूर होती हैं। यह शरीर एवं मन के लिए आरामदायक एवं उपयुक्त है।



समयावधि:

⌚ 30 मिनट

शुल्क

1500 रुपये

## नाभि वस्ती

एक प्राचीन आयुर्वेदिक चिकित्सा विधि, जिसमें नाभि क्षेत्र में गर्म तेल का धाराप्रवाह लगाकर इलाज किया जाता है। यह विधि शारीरिक, मानसिक, और आत्मिक स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक होती है। इससे पाचन तंत्र सुधरता है और विभिन्न रोगों का निदान और उपचार होता है।



समयावधि:

⌚ 30 मिनट

शुल्क

300 रुपये





## जानु वस्ति (घुटना दर्द)

आयुर्वेदिक चिकित्सा में एक प्रमुख उपचार पद्धति। इसमें जानु (घुटने) क्षेत्र में गर्म तेल के साथ एक विशेष धारावाहिक लगाकर उपचार किया जाता है। यह रोगी को घुटने के दर्द, सूजन और संबंधित समस्याओं से राहत प्रदान करता है।



समयावधि:

⌚ 30 मिनट

शुल्क

1500 रुपये

## कटि वस्ति

आयुर्वेदिक चिकित्सा में एक महत्वपूर्ण उपचार पद्धति। इसमें कमर (कटि) क्षेत्र में गरम तेल के साथ एक विशेष धारावाहिक लगाकर उपचार किया जाता है। यह रोगी को कमर और पीठ के दर्द, संबंधित समस्याओं से राहत प्रदान करता है।



समयावधि:

⌚ 30 मिनट

शुल्क

1500 रुपये



## गर्म पादप स्नान

एक प्राचीन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति, जिसमें गर्म पानी द्वारा पैरों का स्नान किया जाता है। यह स्नान घुटनों के दर्द व मांसपेशियों को शक्ति प्रदान करता है, त्वचा को स्वच्छ और चमकदार बनाता है और शरीर के दर्द को कम करता है।



समयावधि:

⌚ 30 मिनट

शुल्क

300 रुपये



## कटी स्नान

एक प्राचीन और आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति, जिसमें गर्म जल से कमर क्षेत्र का स्नान किया जाता है। यह स्नान कमर के दर्द, सूजन, मांसपेशियों की कमजोरी से संबंधित समस्याओं को दूर करता है और शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुधारता है।



समयावधि:

⌚ 30 मिनट

शुल्क

300 रुपये

## भाप स्नान (स्टीम बाथ)

स्वास्थ्य और आत्म सांत्वना के लिए एक प्राकृतिक चिकित्सा विधि। इसमें गर्म धुंआदार पानी या उष्ण वायु से निकलने वाला भाप व्यक्ति के शरीर को स्नान करता है। यह मस्तिष्क को ताजगी देता है, स्वस्थ रक्त संचार को सुनिश्चित करता है और शरीर के दर्द को कम करता है।



समयावधि:

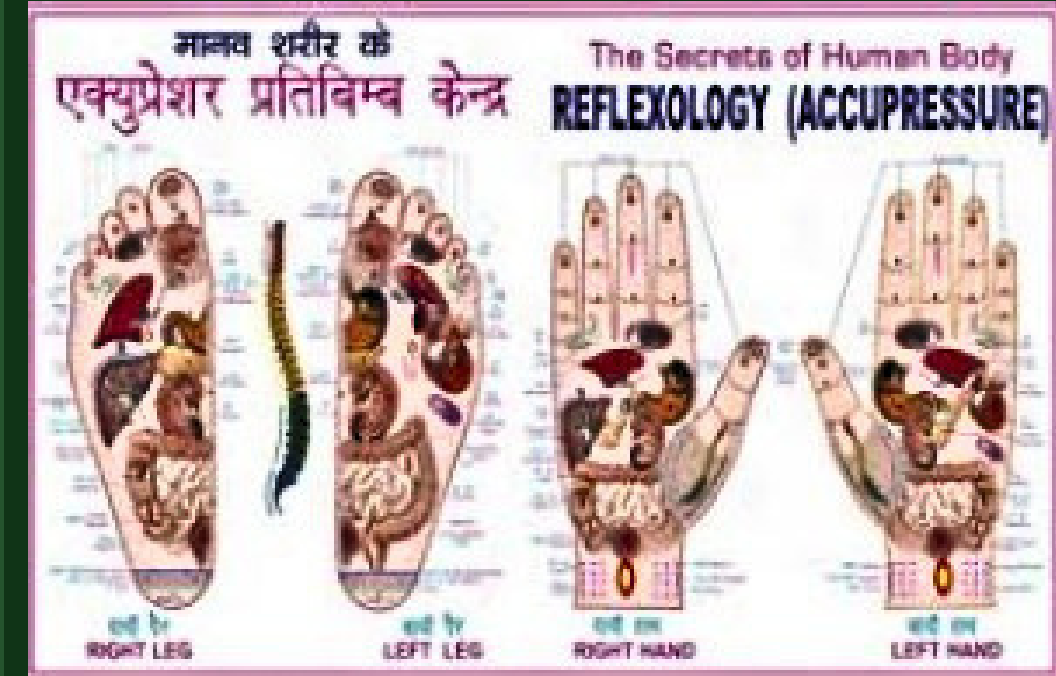
⌚ 30 मिनट

शुल्क

1500 रुपये

## एक्यूप्रेशर चिकित्सा

एक प्राचीन चिकित्सा पद्धति है जो विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज में प्रयुक्त होती है। इस चिकित्सा में, विशिष्ट बिंदुओं पर दबाव डालकर शरीर की ऊर्जा प्रवाह को संतुलित करने का प्रयास किया जाता है। यह माना जाता है कि इस प्रक्रिया से तनाव कम होता है, रक्तचाप नियंत्रित होता है, और विभिन्न शारीरिक और मानसिक समस्याओं में राहत मिलती है। एक्यूप्रेशर चिकित्सा एक प्राकृतिक रूप से स्वास्थ्य सुधारने का एक साहसिक और प्रभावी तरीका है।



समयावधि:

⌚ 30 मिनट

शुल्क

300 रुपये